Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 6705

PAPER – III

ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Culturally, the period marking the advent of iron (first half of the first millennium B.C.) was coeval in the north with the Painted Grey Ware in the west (Punjab, Haryana, Rajasthan, and western Uttar Pradesh), and the black-and-red ware in the east (eastern Uttar Pradesh, Bihar, and West Bengal). Not with standing the standardized tableware character of the former Ware, no urban pattern is recognizable in the material culture represented by it. The material equipment of the people using this ware was none too rich. The houses were made of adobe. A few copper or iron objects are the only indications of the use of metal. The impact of iron does not appear to have brought about any catalytic change in the economy of the people, nor contributed substantially to the specialization of crafts. The social and economic patterns remained rural. This was the period when *janapadas* or chiefdoms with fairly well-defined boundaries were being formed. A remarkable chronological proximity is noticed between the beginning of the Painted Grey Ware and the later Vedic Age. There can, therefore, be no reasonable doubt in ascribing this Ware to later Aryans.

सांस्कृतिक दृष्टि से, लोहे के आविष्कार का युग (प्रथम सहशब्द बी0 सी0 का पूर्वाद्ध)

उत्तर के उन धूसर चित्रित भांडों के युग का समकालीन था, जो पश्चिम के (पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश) तथा पूर्व के कृष्ण लोहित भाडों (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल) के युग थे। पूर्व निर्मित भांडों के मानक खाद्य् ग्रहण पात्र (टेब्लवयेर) की विशेषताओं के बावजुद इसका प्रतिनिधित्व करने वाली भैतिक संस्कृति के अन्य अवशेषों में नगरिय नमूनों की पहचान संभव नहीं है । इस भांड को प्रयुक्त करने वाले लोगों के भौतिक उपकरण भी समृद्ध नहीं थे । घर कच्ची ईंटों से निर्मित थे । ताम्बे और लोहे की कुछ् ही वस्तुओं से धातु के प्रयोग का प्रमाण मिलता है । उस युग के लोगों की अर्थव्यवस्था में लोहे के प्रभाव से कोई उत्प्रेरक परिवर्तन नहीं दिखलाई पड़ता था, वहि हस्तशिल्पों की विशेषताओं में कोई स्थायी परिवर्तन दीख पड़ता था।

सामाजिक और आर्थिक नमूने ग्रामीण बने रहे इसी युग में जनपदों तथा मुखिया प्रशासन की सीमायें और मर्यादायें निर्धारित हो रही थीं। चित्रित धूसर भांड के आरंभिक काल में तथा उत्तर वैदिक काल के मध्य, एक उल्लेखनीय कालानुक्रम की समरक्षता दिखलाई पड़ती है । अत: निस्संदेह रूप से यह कहा जा सकता है कि ये भांड उत्तर आर्यों के द्वारा ही निर्मित थे।

1. What was the impact of iron technology to the makeup of painted Grey Ware culture ?

धूसर चित्रित मृदभांड संस्कृति के निर्माण में लोहे तकनीक का क्या प्रभाव था ?

2. At the time of painted Grey Ware culture the territories of the Janapadas were defined. Did the capitals of these states developed into urban centres ?

धूसर चित्रित मृदभांड संस्कृति के काल में जनपदों की सीमायें निर्धारित हो गयी थीं - क्या इन राज्यों की राजधानी नगरिय केन्द्रों के रूप में विकसित हो गयी थीं ?

3. Did the Painted Grey Ware horizons correspond Chronologically with the later group of Aryan migration ?

क्या धूसर चित्रित मृदभांडीय जमाव आर्यों के परिवर्ती आगमन के साथ कालानुक्रमी चरण के समकालीन है ?

4. What was the relationship of dispersal pattern of the Painted Grey Ware with the Black-and-Red Ware ?

धूसर चित्रित मृदभांड तथा कृष्ण लोहित मृदभांड के क्षेत्रीय विस्तार के नमूनों में क्या सम्बन्ध है ?

5. What were the main Characteristics of the material remains of Painted Grey Ware harizons ?

धूसर चित्रित मृदभांड स्तरों से उपलब्ध भौतिक अवशेषों की मुख्य विशेषतायें क्या हैं ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is the utility of satellite imaginaries in Archaealogical studies ?
पुरातात्विक अध्ययन में सेटेलाइट इमेजिनरिज की उपयोगिता क्या है ?

7. What methods are used for the conservation of excavated structures ?
उत्खनित स्थापत्यों की संरक्षण विधियाँ क्या है ?

8. What is the basic principle of carbon 14 dating ?
'कार्बन 14' तिथि निर्धारण विधि का प्रमुख आधार क्या है ?

9. What was the palaco-climate of Africa during pleistocene period ?
आफ्रीका के प्रतिनूतनकाल का पुरा पर्यावरण क्या था ?

10. Enumerate main tools of Acheulian tradition.
अशुलियन परम्परा के प्रमुख उपकरण प्रकार कौन से हैं ?

11. What is the significance of jerico ?
जेरिको का महत्व क्या है ?

12. How is Neolithic agriculture different from that of the chalcalithic period ?

नवप्रस्तरकालीन कृषि ताम्राश्मक कालीन-कृषि से भिन्न कैसे है ?

13. Define "Mesolithisum". Identify the region where mesolithic features are well recarded in India.

मध्यप्रस्तरीकरण को परिभाषित करें।

भारत में उस क्षेत्र की पहचान करें जहाँ मध्यप्रस्तकाल के लक्षण प्राप्त होते हैं।

14. Enumerate the technique of making bronze Nataraja image of Chola period.
चोल काल की कांस्य नटराज की प्रतिमा को तकनीक का विवरण दें ।

15. Discuss main components of elevation of Kandariya Mahadeva temple.
कंदर्य महादेव मन्दिर के उतोलन के प्रमुख भागों का विवरण दें ।

16. Explain die-struck technique of minting coins.
डाई-स्ट्रक तकनीक में मुद्रण को समझाइए

17. What was the attraction of Harappans to migrate further south to Gujarat ?
हड़प्पीय समुदाय को दक्षिणी क्षेत्र गुजरात में स्थानान्तरित होने का क्या आकर्षण था ?

18. State the stages of shell working during Harappan times.

हड़प्पा काल में शंख उद्योग के चरणों को लिखें।

19. How many zones are identified in the spread of copper Hoards ? Specify copper objects of each zone ?

ताम्रनिधियों के विस्तार में कितने क्षेत्रों की पहचान की गयी है ? प्रत्येक क्षेत्र के ताम्र वस्तुओं का विवरण दीजिए ?

20. List the items and the find spots of Roman antiquities found in India.

भारत में यूनानी पुरावस्तुओं को तथा उनके प्राप्ति स्थलों मे सूचित करें ।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Evaluate the Chronology and habitational tendencies of Acheulian man of the peninsula.

दक्षिण के एशुलियन मानव की आवासीय प्रवृत्ति तथा उनके कालक्रम का मूल्यांकन कीजिए ।

22. Enumerate Characteristic features of the palaeo-environment of microlithic sand - dune sites.

लघुऊष्मक बालू–टीले स्थलों के प्रमुख पुरा–पर्यावरण सम्बन्धी लक्षणों का विवरण दीजिए ।

23. Discuss techno-cultural patterns of the Middle Palacolithic remains in India.

भारत के मध्यपुराप्रस्तर अवशेषों में तकनीकी और सांस्कृतिकी नमूनों का विवरण दीजिए ।

24. Evaluate geo-chronology of Kartalayar Valley.

कोटल्यार घाटी के भौतिकी कालक्रम का मूल्यांकन कीजिए ।

25. Citing archaeological examples discuss main features of stone age Pastaralism in Deccan.

दक्षिण के पाषाण कालीन पशुपालकों के प्रमुख लक्षणों का विवरण पुरातात्विक उदाहरणों द्वारा दें ।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Critically examine evidence for trade and commerce during Harappan times.

हड़प्पा काल के व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी प्रमाणों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए

22. Discuss concept of "Citadel" of Indus civiligation.

सिंधधारी सभ्यता में 'दुर्ग' की अवधारणा का विवेचन कीजिए ।

23. "Pre Harappan Cultures of the north-west were marked by regional characters". Evaluate in the light of the pre-Harappan remains of the Sindha and Baluchistan.

''उत्तर पश्चिम की प्राक हडप्पय संस्कृतियों में क्षेत्रीय विशेषतायें है'' सिंघ और बलूचिस्तान के एक हड़प्पीय अवशेषों के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन कीजिए ।

24. Discuss major factors for the declive of first Urbanization in India.

भारत में प्रथम नगरीकरण के निघटन के प्रमुख कारणों का विवेचन करें।

25. Evaluate the Chronology and technological innovations of the Chalcalithic communities of Maharashtra.

महाराष्ट्र की ताम्र पाषाण समुदायों द्वारा तकनीकी नवीकरण तथा कालक्रम का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Assess nature of ancient varanasi, as revealed from the exeavations at Rajghat.

राजघाट के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों के आधार पर प्राचीन वाराणसी के स्वरुप का अंकन कीजिए।

22. Discuss typology and cultural significance of the Northern Black polished ware.

उत्तरी कृष्ण परिमार्जित मृदभाडों के प्रकारों तथा सांस्कृतिक महत्व का विवेचन करें ।

23. "Gupta period was the phase of de-urhanigation of the Ganga Plain". Critically evaluate.

''गंगा घाटी में गुप्त काल नगरीय विघटन का चरण था'' इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें ।

24. Examine significance of excavated remains at Taxila.

तक्षशिला के उत्खनित अवशेषों के महत्व का परीक्षण करें ।

25. Discuss main features of the growth of trade centres during Kushana period.

कुषाण काल में व्यापारिक कारणों के विकास के मुख्य लक्षणों का विवेचन करें ।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Discuss main stages of development of temple architecute during Imperial Guptas.

गुप्तों की मुख्य शाखा द्वारा निर्मित मन्दिरों में विकास के प्रमुख चरणों का विवेचन कीजिए ।

22. Which is the most developed stupa of north India ? Enumerate it's main architectural features.

उत्तर भारत में सर्वाधिक विकसित स्तूप कौन सा है ? उसके प्रमुख वास्तु लक्षणों का उल्लेख करें ।

23. Discuss plan and elevation of Dharmaragika rath, at mahabalipuram.

'महाबलिपुरम के धर्मराज्य का रथ' के विन्यास तथा उत्तोलन का विवेचन करें ।

24. Critically evaluate contribution of mathura school in the makeup of sarnath school of sculpture.

सारनाथ मूर्त्तन शैली की संरचना में मथुरा भैली के योगदान की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

25. Discuss technique and chronology of Ajanta paintings.

अजन्ता चित्रों के कालक्रम व तकनीक का विवरण दीजिए ।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. Discuss contribution of Indo-Greeks to the history of coinage in India.

भारतीय मुद्राओं के इतिहास में भारत-यूनानी राजाओं के योगदान का विवरण दें।

22. Would you classify Punch-marked silver pieces as "COINS" ? Discuss with reason.

क्या आप आहत चांदी के टुक़ड़ों को 'मुद्रायें' कहेंगे ? कारण देते हुए व्याख्या कीजिए

23. What historical information are derived from Rumandai suscription of Asoka ? Discuss.

अशोक के रुमनदेइ अभिलेख से कौन सी ऐतिहासिक सूचनायें उपलब्ध होती है ? वर्णन करें ।

24. Reconstruct the history of Sudarshana dam an account of the epigraphic descriptions of Junagarh.

जूनागढ़ के अभिलेखीम विवरण के आधार पर सुदर्शन बांध के इतिहास की संरचना करें ।

25. What are the main types of gold coins issued by Samudragupta ? Discuss their historical significance.

समुद्रगुप्त द्वारा कौन-से प्रमुख प्रकार की स्वर्ण मुद्रायें जारी की गयी थी ? उनके ऐतिहासिक महत्व का वर्णन करें ।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on any of the following :

(a) Critical examination of the archaeological evidence on the origin and antiquity of Brahmi script in India.

(b) The growth of second Urbanization in India.

(c) Critical examination of the palaeo-environmental and archaeological evidence for the origin of man.

निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखे :

(a) भारत में ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ती तथा उसकी प्राचीनता से सम्बन्धित पुरातात्विक प्रमाणों का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

(b) भारत में द्वितीय नगरीकरण के विकास का परीक्षण

(c) मानव की उत्पत्ति एवम् समकालीन पुरापर्यावरण सम्बन्धी पुरातात्विक प्रभावों का आलोचनात्मक परीक्षण।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....